

RAJYA SABHA

*Thursday, the 16th July, 2009/25 Asadha, 1931 (Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

-----

**OBITUARY REFERENCE**

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I refer with profound sorrow to the passing away of Dr. G. Vijaya Mohan Reddy, a former Member of this House, on the 31st of May, 2009 at the age of 84 years. Born at Belegai in Kurnool District of Andhra Pradesh in April, 1925, Dr. Reddy had his education at Medical Colleges in Madras and Vishakapatnam. A doctor by profession, Dr. Reddy took active part in the 'Quit India Movement' and the anti-Nizam struggle and also underwent imprisonment. Dr. Reddy served as Deputy Director, Medical Services in the Government of Andhra Pradesh and was consultant in WHO during 1973-74 for Assam and North Eastern States for the eradication of small pox. Dr. Reddy was awarded the 'Tamra Patra' on the occasion of the 25th Anniversary of India's independence and the Hindu-Muslim Unity Award in 1973. Dr. Reddy represented the State of Andhra Pradesh in this House from April, 1986 to April, 1992. In the passing away of Dr. G. Vijaya Mohan Reddy, the country has lost a veteran freedom fighter and an able parliamentarian. We deeply mourn the passing away of Dr. G. Vijaya Mohan Reddy. I request the Members to rise in their seats and observe silence for one minute as a mark of respect to the departed soul.

*(Hon. Members then stood in silence for one minute)*

MR. CHAIRMAN: Secretary-General will convey to the Members of the bereaved family our deep sense of sorrow and sympathy.

-----

**RE. SUSPENSION OF QUESTION HOUR**

MR. CHAIRMAN: Question No. 181.

**श्रीसतीश चन्द्र मिश्र** (उत्तर प्रदेश): मान्यवर, बहुजन समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष ...**(व्यवधान)**...

DR. E. M. SUDARSANA NATCHIAPPAN (Tamil Nadu): Sir, Question No. 181.

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र** : इस देश की जो तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है, नेशनल पार्टी है...**(व्यवधान)**... इस सदन की सदस्य एक बार नहीं, कई बार रही और पार्टी की नेता भी हैं। कांग्रेस पार्टी की अध्यक्ष ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति:** आप यह सवाल appropriate टाइम पर उठाइए, क्वेश्चन ऑवर को चलने दीजिए।  
...(व्यवधान)...

**एक माननीय सदस्य:** उस पर उन्होंने माफी मांग ली है, फिर इस मसले को उठाने की जरूरत नहीं है।  
...(व्यवधान)...

**श्री सभापति:** क्वेश्चन ऑवर को चलने दीजिए।...(व्यवधान)...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** पार्टी की अध्यक्ष और एक महिला के संबंध में इस तरह से अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल किया गया है। अगर आप इसको नहीं सुनते हैं तो इससे ज्यादा कुठाराघात ...(व्यवधान)... उनके बारे में ऐसा वक्तव्य दिया गया है जिसको हम आपके सामने कहने में भी शर्म महसूस कर रहे हैं। एक महिला के लिए, पूरे देश की...(व्यवधान)...

**श्री सभापति:** प्लीज। आप बैठ जाइए।

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** सारे समाज की महिलाओं का सिर झुक गया है। आज अगर आप यहां पर कहने का मौका नहीं देते हैं...(व्यवधान)... मान्यवर, यह मुद्दा प्रश्नकाल से ज्यादा महत्वपूर्ण है। प्रश्नकाल इससे ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हो सकता। आज पूरे देश में कल की घटना को लेकर जिस तरीके से आक्रोश फैला हुआ है...(व्यवधान)...

**श्री सभापति:** सतीश जी, आप प्रोसीजरर्स जानते हैं। आप अपनी बात कहिए, मगर प्रोसीजर के अनुसार कहिए।  
...(व्यवधान)...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** मान्यवर, प्रोसीजर हम अच्छी तरह से जानते हैं। हमें यह भी मालूम है कि जब इस तरह का गंभीर मुद्दा आया है तो प्रश्नकाल को आपने एक बार नहीं, अनेक बार स्थगित किया है। इससे ज्यादा गंभीर मुद्दा...(व्यवधान)... दलगत राजनीति से ऊपर उठकर, इस देश की सारी महिलाओं के लिए, चाहे वे कांग्रेस पार्टी की हों या अन्य पार्टी की हों...(व्यवधान)...

**श्री सभापति:** आप प्लीज बैठ जाइए, मेरी बात सुन लीजिए।...(व्यवधान)... आप मेरी बात तो सुनिए। दो मिनट के लिए आप बैठ जाइए। देखिए, हाउस में जो भी सबजेक्ट है, उसको डिसकस करने का एक तरीका है। यह प्रश्नकाल है। प्रश्नकाल में दूसरी चीजें नहीं ली जा सकती हैं।...(व्यवधान)...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** मान्यवर, हमें यह मालूम है कि अगर प्रश्नकाल के बारे में ...(व्यवधान)... यह बात तो हमें मालूम है लेकिन ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: I am sorry. ...*(Interruptions)*...

**श्री ब्रजेश पाठक (उत्तर प्रदेश):** पूरे देश के अंदर आक्रोश फैला हुआ है। सारे देश की जनता जानना चाहती है।...(व्यवधान)...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** अगर आप इस पर नहीं बोलने देंगे, एक दलित महिला के बारे में कांग्रेस पार्टी  
...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Either you resume your seats or...*(Interruptions)*...

**श्री ब्रजेश पाठक:** पूरे देश में आक्रोश फैला हुआ है। हम आपसे मांग करते हैं...(व्यवधान)...

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, everyone should be allowed to speak. It is a serious matter. It should be condemned. ...*(Interruptions)*... It is a serious issue. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Well, I can't hear if everybody is talking at the same time. Please resume your places.

SHRI VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Sir, we are all aware of the rules. Normally, we also want the Question Hour to go on, and, then, take up the other issues subsequently. But when a serious

incident takes place and a barbaric act takes place, and if a Member has given a notice for suspension of Question Hour, the Chairman should give an opportunity to hear him and others too and dispose of the matter accordingly. If it is a normal thing, I assure you that we never intend to disrupt the Question Hour. But this is something that is shocking. The entire country is worried. We are all concerned about it. Moreover, it is not about an ordinary person. ...*(Interruptions)*... We are seeing what is happening in other States ...*(Interruptions)*... What is happening in Madhya Pradesh? ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I understand your problem. ...*(Interruptions)*... Please one at a time. ...*(Interruptions)*... If everybody wants to speak at a time, nothing will be done. ...*(Interruptions)*... Please just a minute. ...*(Interruptions)*... Venkaiahji, I understand the problem. But as far as the Chair is concerned, it can only be guided by the agreed procedure. There is only one way of dispensing with or suspending the Question Hour. Everybody is aware of it. It is in the Rule Book. Now, short of that, what I would like to submit, for the consideration of the House, is that if you wish to express your views in the matter — I agree that it is serious enough subject on which views should be expressed — please do it in an orderly manner at 12 o' clock. ...*(Interruptions)*...

**श्री ब्रजेश पाठक:** सर, ऐसी परम्परा रही है कि अगर कोई महत्वपूर्ण विषय आ जाता है, तो प्रश्न काल को स्थगित करके उस को लिया जा सकता है। ...*(व्यवधान)*...

**श्रीवीर सिंह (उत्तर प्रदेश):** सभापति महोदय, ...*(व्यवधान)*...

**श्री सभापति:** देखिए, अगर आप सब लोग एक साथ बोलेंगे. ...*(व्यवधान)*... देखिए, सतीश जी, आप बोलिए या अन्य कोई बोलें, सभी एक साथ नहीं बोल सकते हैं। ...*(व्यवधान)*...

SHRI SATISH CHANDRA MISRA: Sir, there are conventions, and conventions are a part of law. As per a decision of the Supreme Court's Constitutional Bench, the conventions also become a part of law. It is not only merely the Rule Book. Rule Books are always looked into and adjusted according to the...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: I know that you are a lawyer. ...*(Interruptions)*...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र :** सर, हम यहां पर Lawyer की हैसियत से नहीं बोल रहे हैं। हम यहां पर एक आम नागरिक की हैसियत से बोल रहे हैं, सदन के सदस्य की हैसियत से बोल रहे हैं। ...*(व्यवधान)*...

**श्री सभापति:** आप मेरी गुजारिश सुन लीजिए। अगर आप सब लोग एक साथ बोलेंगे, आप सब एक साथ खड़े होंगे, तो कुछ नहीं होगा। ...*(व्यवधान)*...

**श्री सतीश चन्द्र मिश्र:** मान्यवर, अगर ऐसे मामले में ...*(व्यवधान)*...

MR. CHAIRMAN: Do the Treasury Benches have anything to say? ...*(Interruptions)*... One minute please. ...*(Interruptions)*... Just a minute please. ...*(Interruptions)*... Let the Minister make a statement. ...*(Interruptions)*... Let the Minister make a statement. ...*(Interruptions)*... The House is adjourned till 12 o' clock.

The House then adjourned at eight minutes past eleven of the clock.